ते उतो कहंदा गल न करि

जोगी बन के लूट लई माँ के उतो कहंदा गल न करि,

की दसा मैं तनु अडिये इस जोगी दे कारे
मावा कह के लूट लिया मैनु आके मेरे द्वारे,
कोई दस्य न अपना था ते उतो कहंदा गल न करि,

भर भर होक कत्तदी वेला रो रो रेन गुजरा,
नाम दीवानी हो गई चली ठाठ ठाठ आवाजा मारा,
कोई दसया न अपना था ते उतो कहंदा गल न करि,

जोगी बन के लूट जाऊ मैनु मैनु भरम न कोई ,
कड कलेजा पा लिया रती शर्म न होइ,
धक्का दे गया फड़ के ब्याह ते उतो कहंदा गल न करि,

काया माया आणि जानी दुनिया भरम भुलेखा,
कर्म दे खेल ने सब सारे लेना देना लेखा,
ेथे कोई किसे दा न ते उतो कहंदा गल न करि,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10724/title/jogi-bn-ke-lut-lai-maa-ke-uto-kehnda-gl-na-kari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |